



## बाज़ार अवसंरचना संस्थान

### प्रलिमिंस के लिये:

भारतीय प्रतभूत और वनिमिय बोर्ड (SEBI), नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (NSE), बाज़ार अवसंरचना संस्थान (MII)।

### मेन्स के लिये:

बाज़ार अवसंरचना संस्थान (MII), कैपटिल मार्केट, मोबलिाइज़ेशन ऑफ रसिोरसेज़।

## चर्चा में क्यों?

- हाल ही में **भारतीय प्रतभूत और वनिमिय बोर्ड (SEBI)** के नषिकर्षों के अनुसार **नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (NSE)**, देश का सबसे बड़ा इक्वटी और डेरिवेटिव एक्सचेंज तथा एक व्यवस्थति रूप से महत्त्वपूर्ण **बाज़ार अवसंरचना संस्थान (Market Infrastructure Institution-MII)** है।

## भारतीय प्रतभूत और वनिमिय बोर्ड (SEBI)

- भारतीय प्रतभूत और वनिमिय बोर्ड की **स्थापना 12 अप्रैल, 1992** को भारतीय प्रतभूत और वनिमिय बोर्ड अधिनियम, 1992 के प्रावधानों के अनुसार की गई थी।
- प्रमुख कार्य:**
  - प्रतभूतियों में नविशकों के हतियों की रक्षा करना।
  - प्रतभूत बाज़ार को वनिमियमति करना।

## बाज़ार अवसंरचना संस्थान:

- स्टॉक एक्सचेंज, डपिॉज़िटरी और समाशोधन नगिम को सामूहिक रूप से बाज़ार अवसंरचना संस्थान (Market Infrastructure Institutions)** प्रतभूत के रूप में संदर्भति कथिा जाता है।
- भारतीय रज़िर्व बैंक के पूरव गवर्नर बमिल जालान की अध्यक्षता में स्थापति (2010 में) एक पैनल के अनुसार, 'मार्केट इंफ्रास्ट्रक्चर' शब्द इस पूंजी बाज़ार की सेवा क्षेत्रक मूलभूत सुवधियों और प्रणालियों को दर्शाता है।
  - प्रतभूतियों/पूंजी बाज़ार का प्राथमिक उद्देश्य पूंजी/वत्तितीय संसाधनों के आवंटन/पुनरआवंटन को सक्षम बनाना है।
- MIIs अर्थव्यवस्था में धन के इष्टतम उपयोग में मदद करने के साथ आर्थिक वकिस को बढ़ावा देता है।
- यह पूंजी आवंटन प्रणाली का केंद्र है तथा आर्थिक वकिस हेतु अपरहार्य है और कसिी भी अन्य बुनयिादी ढाँचा संस्थान की तरह समाज पर शुद्ध सकारात्मक प्रभाव डालते हैं।

## नेशनल स्टॉक एक्सचेंज

- नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड (NSE) भारत का सबसे बड़ा वत्तितीय बाज़ार है।
- वर्ष 1992 से नगिमति 'नेशनल स्टॉक एक्सचेंज' एक परषिकृत, इलेक्ट्रॉनिक बाज़ार के रूप में वकिसति हुआ है, जो इक्वटी ट्रेडिंग वॉल्यूम के हिसाब से दुनिया में चौथे स्थान पर है।
- नेशनल स्टॉक एक्सचेंज भारत में आधुनिक, पूरी तरह से स्वचालति इलेक्ट्रॉनिक व्यापार प्रदान करने वाला पहला एक्सचेंज था।
  - नेशनल स्टॉक एक्सचेंज भारत में सबसे बड़ा नज़िी वाइड-एरिया नेटवर्क है।
- नफिटी 50 नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड (NSE) का प्रमुख सूचकांक है।
- सूचकांक बलू चपि कंपनियों, सबसे बड़ी और सबसे अधिक तरल भारतीय प्रतभूतियों के पोर्टफोलियों के व्यवहार को ट्रैक करता है। इसमें NSE में सूचीबद्ध लगभग 1600 कंपनियों में से 50 शामिल हैं।

## उन्हें महत्त्वपूर्ण क्यों माना जाता है?

- MIs भारत में व्यवस्थित रूप से महत्त्वपूर्ण हैं और यह तथ्य सूचीबद्ध कंपनियों के बाज़ार पूंजीकरण, जुटाई गई पूंजी एवं नविशक खातों की संख्या तथा डिपॉजिटरी के खाते में रखी गई संपत्तिके मूल्य के मामले में इन संस्थानों की अभूतपूर्व वृद्धिसे स्पष्ट है।
- इस तरह एक MII की कोई भी वफिलता और भी बड़ी समस्या का कारण बन सकती है जिसके परिणामस्वरूप समग्र आर्थिक गतिरोध हो सकती है जो संभावित रूप से प्रतभूत बाज़ार तथा देश की सीमाओं से आगे बढ़ सकती है।
- दूरगामी प्रभाव की संभावना को देखते हुए एक MII की वफिलता व्यापक बाज़ार और अर्थव्यवस्था को प्रभावित कर सकती है, शासन और नरीक्षण बलिकूल महत्त्वपूर्ण हैं तथा इनके लिये उच्चतम मानकों की आवश्यकता है।

## भारत में वशिष्ट संस्थान जो MII के रूप में अर्हता रखते हैं

- स्टॉक एक्सचेंजों में सेबी ने बीएसई, एनएसई, मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज ऑफ इंडिया और मेट्रोपॉलिटन स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया सहित सात को सूचीबद्ध किया है।
- दो डिपॉजिटरी हैं - प्रतभूतियों को सुरक्षित रखने और उनके व्यापार तथा हस्तांतरण को सक्षम करने के लिये चार्ज किया जाता है - जनिहें MII टैग किया जाता है: सेंटरल डिपॉजिटरी सर्वसिज़ लमिटेड और नेशनल सकियोरटिज़ डिपॉजिटरी लमिटेड।
- नयामक 'मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज क्लियरिंग कॉरपोरेशन' सहित सात समाशोधन गृहों को भी सूचीबद्ध करता है।
  - क्लियरिंग हाउस, अपने हसिसे के लिये प्रतभूतियों के व्यापार को मान्य और अंतिम रूप देने में मदद करते हैं और यह सुनिश्चित करते हैं कि खरीदार और विक्रेता दोनों अपने दायित्वों का सम्मान करते हैं।

## स्रोत- द हद्द

PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/market-infrastructure-institution-1>

